XSEED
idiscoveri FOUNDATION FOR LIFE

UNLEASH YOUR MIND®

Publication : Veer Arjun **Region :** New Delhi

Date : Dec 08, 2010

स्कूल आफ टूमारो का उद्देश्य शिक्षा में सकारात्मक बदलाव लाना

संजय गिरि

नई दिल्ली। आई डिस्कवरी के द्वारा आयोजित स्कूल आफ टूमारो के बारे में दिल्ली के ताज पैलेस में एक संवाददाता सम्मेलन किया गया जिसमें स्कूल आफ टूमारो के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विस्तार से परिचर्चा की।इस अवसर पर आई डिस्कवरी के सीईओ ने कहा कि आज भारत विश्व में एक बौद्धिक महाशक्ति बनने के दहलीज पर खड़ा हुआ है। इसमें विकास परख शिक्षा एक मुख्य भूमिका निभाएगी जिसमें युवा व्यस्कों को कल के बौद्धिक अर्थव्यवस्था का प्रहरी बनाया जा सकेगा। इसे देखते हुए आज इस बात की जरूरत है कि सरल लेकिन शक्तिशाली दृष्टिकोण सामने लाए। उन्होंने बताया कि आज शिक्षा में बदलाव की जरूरत है। शिक्षा को व्यवहारिक और व्यवसायिक बनाने की जरूरत है ताकि देश का विकास हो सके और ये तभी संभव है जब पहली कक्षा से ही बच्चों पर ध्यान दिया जाए। एक्सीड को आज देशभर में 400 से अधिक स्कूल अपना चुके हैं जिसमें उत्तर भारत में 100 से ज्यादा स्कूल शामिल हैं और इसकी पहुंच अब 130000 छात्रों और 12000 शिक्षकों तक हो चुकी है। कुछ चुनिंदा अग्रणी स्कूल जो कि एक्सीड का क्रियान्वयन कर चुके हैं उनमें हैंदराबाद पब्लिक स्कूल, बाम्बे स्काटिश स्कूल, चेन्नई स्थित पद्मा शेशाद्री, बेंगलौर इंटरनेशनल स्कूल शामिल हैं।

गौरतलब है कि आई डिस्कवरी एक नवीन सामाजिक संस्थान है जिसका लक्ष्य देश के स्कूलों में बदलाव लाना है। इस काम में हार्वर्ड, आंईआईएम, आईआईटी एक्सएलआरआई आदि प्रख्यात संस्थानों के पूर्व विद्यार्थी लगे हुए हैं। आई डिस्कवरी के पास उच्च गुणवत्ता वाला पाठ्यक्रम प्रशिक्षण, आंकलन और दूसरी सपोर्ट क्षमताएं मौजूद हैं। एक्सीड आई डिस्कवरी का एक मुख्य कार्यक्रम है जो कि 12 स्कूलों में गुणवत्तायुक्त शिक्षा और सीख प्रदान करने के लिए अपने आप में नवीन समग्र समाधान है।